



राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

वाणिज्य संकाय

कार्यक्रम का नाम:

UG0202– तीन/चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक बी. कॉम.

विषय - ABST

(NEP - 2020 च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुसार पाठ्यक्रम)

शिक्षण का माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी

शैक्षणिक सत्र 2025-26

कार्यक्रम का नाम: UG0202 – तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक बी. कॉम.

क्रम संख्या	अनुशासन / विषय	पृष्ठ संख्या
1	कार्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ और परिणाम	2
2	परीक्षा की योजना	3
3	संपर्क घंटे	3
4	निकास और प्रवेश नीति	3
5	अक्षर ग्रेड और ग्रेड अंक	4
6	सेमेस्टर के अनुसार पेपर शीर्षक	5
7	सेमेस्टर I और VI का विस्तृत पाठ्यक्रम (ABST)	6-20

विश्वविद्यालय का नाम	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
संकाय का नाम	वाणिज्य
कार्यक्रम का नाम	UG0202-B.Com.
विषय का नाम	ABST

कार्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ

CBSE, RBSE या किसी मान्यता प्राप्त शिक्षा बोर्ड से किसी भी स्टीम में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण।

कार्यक्रम के परिणाम (पीओएस): बी.कॉम. (पास कोर्स)

1. लेखांकन ज्ञान: छात्र वित्तीय लेखांकन, लागत लेखांकन, प्रबंधन लेखांकन, लेखा परीक्षा और कराधान सहित लेखांकन सिद्धांतों, अवधारणाओं और प्रथाओं की व्यापक समझ हासिल करेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाणिज्य, लेखा और वित्त के वैध तरीकों की समझ बढ़ाना और औद्योगिक विकास, वित्तीय प्रबंधन और प्रबंधकीय निर्णयों के लिए उनके विश्लेषणात्मक कौशल में सुधार करना है।
3. वित्तीय विवरण विश्लेषण: छात्र वित्तीय विवरणों का विश्लेषण और व्याख्या करने, संगठनों के वित्तीय दशाओं का आकलन करने और वित्तीय जानकारी के आधार पर सूचित निर्णय लेने में कौशल विकसित करेंगे।
4. कराधान: छात्रों को व्यक्तियों और व्यवसायों दोनों के लिए कर कानूनों, विनियमों और प्रक्रियाओं का ज्ञान प्राप्त होगा। वे आयकर, माल और सेवा कर (जीएसटी), कर नियोजन और अनुपालन के बारे में जानेंगे।
5. लेखा परीक्षा और आश्वासन: छात्र लेखा परीक्षा के सिद्धांतों और प्रथाओं को समझेंगे, जिसमें लेखा परीक्षकों की भूमिका, लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ, आंतरिक नियंत्रण, जोखिम मूल्यांकन और लेखा परीक्षा में नैतिक विचार शामिल हैं।
6. संचार और पारस्परिक कौशल: छात्र लिखित और मौखिक दोनों तरह से अपने संचार कौशल को बढ़ाएँगे और समूहों में प्रभावी ढंग से काम करने, वित्तीय जानकारी प्रस्तुत करने और हितधारकों के साथ संवाद करने की क्षमता विकसित करेंगे।
7. विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल: छात्र मजबूत विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल विकसित करेंगे, जिससे वे जटिल वित्तीय डेटा का विश्लेषण करने, मुद्दों की पहचान करने और उचित समाधान प्रस्तावित करने में सक्षम होंगे।
8. अनुसंधान कौशल: छात्रों को प्रासंगिक लेखांकन जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने, वित्तीय अनुसंधान करने और बदलते लेखांकन मानकों और विनियमों के साथ अद्यतन रहने के लिए अनुसंधान कौशल से अवगत किया जाएगा।

ये कार्यक्रम बी.कॉम. स्नातकों को लेखांकन, वित्त, लेखा परीक्षा, कराधान, वित्तीय विश्लेषण, परामर्श और संबंधित क्षेत्रों में करियर के लिए तैयार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

परीक्षा की योजना-

1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन के लिए 25 अंक

सतत मूल्यांकन, जिसमें सत्रीय कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देंगे। सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट औसत (एसजीपीए) में प्रत्येक पाठ्यक्रम के दो घटक हैं- सतत मूल्यांकन (20% वेटेज) और (सेमेस्टर परीक्षा का अंत) ईओएसई (80% वेटेज)।

1. सत्रीय कार्य में कक्षा परीक्षण, मध्य-सेमेस्टर परीक्षा, होमवर्क असाइनमेंट आदि शामिल होंगे, जैसा कि अध्ययन के पाठ्यक्रमों के प्रभारी संकाय द्वारा निर्धारित किया जाता है।

2. ईओएसई का प्रत्येक पेपर पाठ्यक्रम/विषय के कुल अंकों का 80% होगा। ईओएसई 3 घंटे की अवधि का होगा। प्रत्येक प्रश्न के बराबर अंक होंगे और इसके तीन भाग होंगे:-

- प्रश्न पत्र के भाग A में 2 अंक के 10 अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। यह पहला प्रश्न पाठ्यक्रम में शामिल विषयों/पाठ्यपुस्तकों के ज्ञान, समझ और अनुप्रयोगों पर आधारित होगा।
- प्रश्न-पत्र के भाग B में 4 लघुत्तरात्मक प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न होगा जो कि 10 अंक का होगा। जिनमें से कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे। चारों प्रश्न प्रत्येक इकाई से एक आंतरिक विकल्प के साथ सेट किए जाएंगे।
- प्रश्न-पत्र के भाग C में 4 प्रश्न होंगे जिसमें प्रति इकाई में से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ होगा तथा प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

प्रश्न पत्र के भाग	प्रश्न	टंक	कुल अंक
भाग A	10 अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न	2	20
भाग B	4 लघुत्तरात्मक प्रश्न (जिनमें से कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे)	10	20
भाग C	4 प्रश्न (प्रति इकाई में से एक प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ)	20	80
कुल अंक			120

3. ईओएसई में उपस्थित होने के लिए 75% उपस्थिति अनिवार्य है।

4. किसी कोर्स/विषय की ईओएसई परीक्षा में उपस्थित होने के लिए छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य है और कोर्स/विषय में कम से कम "सी" ग्रेड प्राप्त करनी होगी।

5. किसी कोर्स/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिए जाएंगे, जब छात्र किसी कोर्स/विषय की मिडटर्म और ईओएसई परीक्षा में कम से कम सी ग्रेड प्राप्त करता है।

संपर्क घंटे- प्रति सेमेस्टर 15 सप्ताह

एल – व्याख्यान (1 क्रेडिट = 1 घंटा/सप्ताह)

टी – ट्यूटोरियल (1 क्रेडिट = 1 घंटा/सप्ताह)

एस – सेमिनार (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)

पी – प्रैक्टिकल (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)

एफ – फील्ड प्रैक्टिस/प्रोजेक्ट्स (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)

एसए – स्टूडियो गतिविधियाँ (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
आई – इंटरनशिप (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
सी – सामुदायिक जुड़ाव और सेवा (1 क्रेडिट = 2 घंटे/सप्ताह)
निकास और प्रवेश नीति

1. जो छात्र पहले वर्ष के पूरा होने के बाद कोर्स छोड़ने का विकल्प चुनते हैं और 48 क्रेडिट प्राप्त करते हैं, उन्हें यूजी सर्टिफिकेट दिया जाएगा, यदि इसके अलावा, वे पहले वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट की एक इंटरनशिप पूरी करते हैं। इन छात्रों को तीन साल के भीतर डिग्री प्रोग्राम में फिर से प्रवेश करने और सात साल की निर्धारित अधिकतम अवधि के भीतर डिग्री प्रोग्राम पूरा करने की अनुमति है।

2. जो छात्र दूसरे वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के कोर्स छोड़ने का विकल्प चुनते हैं और 96 क्रेडिट हासिल कर लेते हैं, उन्हें यूजी डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा, बशर्ते कि वे दूसरे वर्ष की गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 4 क्रेडिट की एक इंटरनशिप भी पूरी कर लें। तीन वर्ष की अवधि के भीतर पुनः प्रवेश करने तथा अधिकतम सात वर्ष की अवधि के भीतर डिग्री कार्यक्रम पूरा करने की अनुमति होगी।

3. जो छात्र 3 वर्षीय यूजी कार्यक्रम करना चाहते हैं, उन्हें तीन वर्ष सफलतापूर्वक पूरा करने, 150 क्रेडिट प्राप्त करने तथा न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा करने के पश्चात प्रमुख विषय में यूजी डिग्री प्रदान की जाएगी।

4. प्रमुख विषय में चार वर्षीय यूजी ऑनर्स डिग्री उन छात्रों को प्रदान की जाएगी, जिन्होंने 200 क्रेडिट के साथ चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम पूरा किया है तथा न्यूनतम क्रेडिट आवश्यकता को पूरा किया है।

5. जो छात्र पहले छह सेमेस्टर में 75% या उससे अधिक अंक प्राप्त करते हैं तथा स्नातक स्तर पर शोध करना चाहते हैं, वे चौथे वर्ष में शोध स्ट्रीम चुन सकते हैं। उन्हें विश्वविद्यालय/कॉलेज के किसी संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में शोध परियोजना या शोध प्रबंध करना होगा। शोध परियोजना/शोध प्रबंध प्रमुख विषय में होगा। जो छात्र शोध परियोजना/शोध प्रबंध से 12 क्रेडिट सहित 200 क्रेडिट प्राप्त करते हैं, उन्हें यूजी डिग्री (शोध के साथ ऑनर्स) प्रदान की जायेगी।

अक्षर ग्रेड और ग्रेड पॉइंट

अक्षर ग्रेड	ग्रेड पॉइंट	अंक रेंज (%)
O (उत्कृष्ट)	10	91 – 100
A+ (उत्कृष्ट)	9	81 – 90
A (बहुत अच्छा)	8	71 – 80
B+ (अच्छा)	7	61 – 70
B (औसत से ऊपर)	6	51 – 60
C (औसत)	5	40 – 50
P (पास)	4	
F (फेल)	0	
Ab (अनुपस्थित)	0	

सेमेस्टर आधारित पेपर शीर्षक

कार्यक्रम का नाम: UG0202 – तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक

				UG0202-B.Com.	क्रेडिट			
क्रम संख्या	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	L	T	P	Total
1	5	I	MJR	UG0202-ABS-51T-101-वित्तीय लेखांकन	6	0	0	6
2	5	II	MJR	UG0202-ABS-52T-102-व्यावसायिक सांख्यिकी	6	0	0	6
3	6	III	MJR	UG0202-ABS-63T-201-लागत लेखांकन	6	0	0	6
4	6	IV	MJR	UG0202-ABS-64T-202-आयकर कानून और व्यवहार	6	0	0	6
5	7	V	MJR	UG0202-ABS-75T-301- अंकेक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण	6	0	0	6
6	7	VI	MJR	UG0202-ABS-76T-302-माल और सेवा कर (GST)	6	0	0	6

पाठ्यक्रम: UG0202-बी.कॉम.

सेमेस्टर: I (ABST)

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
--------	--------------------	------------	------------	-------------

		अवधि	(मिडटर्म + EoSE)	(मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0202-ABS-51T-101- वित्तीय लेखांकन	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: तीन /चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: वित्तीय लेखांकन (सिद्धांत)
पेपर कोड:UG0202-ABS-51T-101
सेमेस्टर: I

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
I	UG0202-ABS-51T-101	वित्तीय लेखांकन	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे		मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक	

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. वित्तीय लेखांकन का वैचारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. किसी व्यवसाय के वित्तीय विवरणों का ज्ञान और समझ प्रदान करना।
3. विभागीय लाभ और हानि खाता और चिट्ठा तैयार करना।
4. शाखा खाते तैयार करने की विभिन्न विधियों की व्याख्या करना।
5. आग दुर्घटना की स्थिति में स्टॉक की हानि, लाभ की परिणामी हानि और बीमा कंपनी से दावा की जाने वाली राशि के मूल्यांकन की प्रक्रिया की व्याख्या करना।
6. सभी प्रासंगिक समायोजनों के साथ बहीखाता पद्धति की एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलने में शामिल चरणों की व्याख्या करना।
7. किराया खरीद, किस्त से संबंधित लेन-देन के लिए खाते तैयार करना।

इकाई-I

लेखांकन: अर्थ, अवधारणा, लेखांकन का महत्व और क्षेत्र, बुनियादी लेखांकन सिद्धांत, परंपराएँ, अवधारणाएँ, प्रक्रियाएँ, विधियाँ, लेखांकन के रूप और लेखांकन जानकारी के उपयोग।

लेखांकन समीकरण और खातों के प्रकार, व्यावसायिक लेनदेन रिकॉर्ड करने के नियम। जर्नल, सहायक पुस्तकें, खतौनी जीएसटी का उपचार और तलपट की तैयारी, व्यापार खाता, लाभ और हानि खाता और समायोजन के साथ चिट्ठा।

इकाई-II

विभागीय लेखा: विभागीय खातों का अर्थ और उद्देश्य; सामान्य व्यय के आवंटन का आधार; अंतर-विभागीय स्थानान्तरण; विभागीय व्यापार खाता, लाभ और हानि खाते की तैयारी (सामान्य लाभ हानि खाता और चिट्ठा सहित)।

शाखा लेखा: अर्थ, उद्देश्य और विधियाँ जिसमें देनदार प्रणाली, स्टॉक और देनदार प्रणाली, अंतिम खाता प्रणाली ; थोक शाखा प्रणाली और विदेशी शाखाओं को छोड़कर स्वतंत्र शाखा प्रणाली; शाखा और विभागीय लेखांकन के बीच अंतर।

इकाई-III

बीमा दावे: बीमा दावों का अर्थ, आवश्यकता, स्टॉक की हानि नीति, परिणामी हानि नीति, व्यापक हानि नीति, बीमा दावों का पता लगाने हेतु चरण, लाभ की परिणामी हानि सहित असामान्य मदों के साथ स्टॉक की हानि की गणना और औसत कारण का अनुप्रयोग।

अपूर्ण खाता प्रणाली: एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में परिवर्तित करना, रूपांतरण के चरण, बिक्री, खरीद, स्टॉक, नकदी और बैंक शेष, पूंजी आदि का पता लगाना, अंतिम खातें तैयार करना।

इकाई-IV

किराया क्रय लेखांकन: - किराया क्रय प्रणाली का अर्थ और महत्व, किराया क्रय अधिनियम 1972 के प्रावधान, किराया क्रय खातें तैयार करना: - किराया-क्रेता और किराया-विक्रेता की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ और खाता बही ।

किस्त प्रणाली लेखांकन: किस्त प्रणाली का अर्थ और महत्व, किराया क्रय और किस्त प्रणाली के बीच अंतर, किस्त भुगतान खातें तैयार करना: क्रेता और विक्रेता की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ और खाता बही ।

नोट: छात्र को बैटरी से चलने वाले कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी, जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए ।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. शर्मा, शाह, मंगल, अग्रवाल: वित्तीय लेखांकन, आरबीडी, जयपुर।
2. जैन, खंडेलवाल, पारीक, दवे: वित्तीय लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।
3. अग्रवाल, शर्मा, पुरोहित, शर्मा: वित्तीय लेखांकन, शिवम बुक हाउस, जयपुर।
4. तुलसियान: वित्तीय लेखांकन: सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
5. शुक्ला और ग्रेवाल: अग्रिम खाते, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
6. माहेश्वरी एस.एन.: वित्तीय लेखांकन, विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
7. सहगल ए. और सहगल डी.: उन्नत लेखांकन, टैक्समैन प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. जैन एस.पी. और नारंग के.एल.: वित्तीय लेखांकन, कल्याणी प्रकाशक, दिल्ली।
9. मोंगा जे.आर.: वित्तीय लेखांकन, मयूर पेपर बुक, नई दिल्ली।
10. गुप्ता, आर.एल.: उन्नत वित्तीय लेखांकन, एस. चंद एंड संस, नई दिल्ली।
11. कुमार ए.एस.: उन्नत वित्तीय लेखांकन, हिमालय प्रकाशन हाउस।
12. पॉल सीनियर के.: अकाउंटेंसी, खंड-I और II, न्यू सेंट्रल बुक एजेंसी, कोलकाता।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. लेखांकन की बुनियादी अवधारणाओं और प्रक्रिया की समझ पैदा करता है।
2. एकल स्वामित्व व्यवसाय की विभिन्न सहायक पुस्तकें, तलपट और अंतिम खाते तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है
3. विभागीय लाभ और हानि खाता और चिट्ठा तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है।
4. शाखा खाते तैयार करने की विभिन्न विधियों की गहन समझ विकसित करता है।
5. स्टॉक की हानि, लाभ की परिणामी हानि और आग दुर्घटना की स्थिति में बीमा कंपनी से दावा की जाने वाली राशि के मूल्यांकन की प्रक्रिया की समझ विकसित करता है।
6. सभी प्रासंगिक समायोजनों के साथ बहीखाता पद्धति की एकल प्रविष्टि को दोहरी प्रविष्टि प्रणाली में बदलने में शामिल चरणों की जानकारी देता है
7. किराया खरीद, किस्त से संबंधित लेनदेन के लिए खाते तैयार करने की क्षमता प्रदान करता है।

**पाठ्यक्रम: UG0202-बी.कॉम.
सेमेस्टर- IIABST**

प्रकार	पेपर कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक (मिडटर्म + EoSE)	न्यूनतम अंक (मिडटर्म + EoSE)
सिद्धांत	UG0202-ABS-52T-102- व्यावसायिक सांख्यिकी	मिडटर्म-1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म-12 अंक EoSE-48 अंक

कार्यक्रम का नाम: तीन /चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: व्यावसायिक सांख्यिकी
पेपर कोड:UG0202-ABS-52T-102
सेमेस्टर- II

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
II	UG0202-ABS-52T-102	व्यावसायिक सांख्यिकी	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे		मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक	

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- छात्रों को विभिन्न सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण उपकरणों से परिचित कराना जिनका उपयोग व्यवसाय में प्रभावी निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है।
- व्यवसाय सांख्यिकीय विश्लेषण में उपयोग की जाने वाली प्रमुख शब्दावली, अवधारणाओं, उपकरणों और तकनीकों का वर्णन करना।
- व्यवसाय में विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं पर निर्णय लेने के लिए व्यावसायिक आंकड़ों को प्रस्तुत करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों की पहचान कर उन्हें लागू करना।
- केंद्रीय प्रवृत्ति, फैलाव, विषमता, सहसंबंध गुणांक और प्रतिगमन के उपायों की गणना करने के लिए व्यापक ज्ञान।
- सूचकांक संख्याओं की समझ और इसके उपयोग और विधियों का ज्ञान।

इकाई -I

सांख्यिकी का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व और सीमाएँ, प्राथमिक और द्वितीयक समकों का अर्थ, उपयोग तथा अंतर, समकों के संकलन की विधियाँ, समकों का वर्गीकरण और सारणीकरण

केंद्रीय प्रवृत्ति का अर्थ, अनुप्रयोग और सीमाएँ, केंद्रीय प्रवृत्ति के माप- गणितीय माध्य, माध्यिका, बहुलक और विभाजन मान-चतुर्थक, अष्टक, दशमलव, प्रतिशत।

इकाई -II

अपकिरण के माप: विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, मानक विचलन और उनके गुणांक, संयुक्त मानक विचलन, भिन्नता का गुणांक, अपकिरण के मापों के उपयोग और व्याख्या।

विचरण का अर्थ, विषमता एवं अपकिरण के मध्य अंतर, विषमता और उनके गुणांक की गणना करने की विधियाँ कार्ल पियर्सन और बाउले

इकाई -III

सहसंबंध का अर्थ, महत्व और उपयोग, सहसंबंध की गणना के लिए विभिन्न तरीके- स्कैटर आरेख, कार्ल पियर्सन का सहसंबंध गुणांक, स्पेयरमैन रैंक सहसंबंध, संगामी विचलन विधि।

प्रतिगमन विश्लेषण का अर्थ, महत्व और उपयोग, सहसंबंध और प्रतिगमन के बीच अंतर, दो प्रतिगमन समीकरणों की गणना।

इकाई -IV

सूचकांक संख्याओं का अर्थ, महत्व और उपयोग, सरल और भारित मूल्य सूचकांक, निर्माण विधि सापेक्षों का औसत, समूही विधि, फिशर आदर्श सूचकांक, आधार स्थानांतरण और रूपांतरण, अपस्फीति, संस्फीति।

समकों की प्रस्तुति : आवृत्ति वितरण के आरेख / ग्राफ़ – औजाइव और हिस्टोग्राम।

नोट: परीक्षार्थी को शोर रहित बैटरी से चलने वाले कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. एस. पी. गुप्ता सांख्यिकी विधियाँ, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली।
2. खन्ना और गुप्ता, व्यवसाय सांख्यिकी, प्रान्तिस हॉल।
3. चिक्कोडी और सत्यप्रकाश: बिजनेस सांख्यिकी, हिमालय पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि.
4. नवल बाजपेयी: बिजनेस सांख्यिकी, पियर्सन एजुकेशन।
5. गोयल, रंगा, गुप्ता, जैन, गुप्ता: सांख्यिकी, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर।
6. शर्मा, जैन, पारीक: बिजनेस सांख्यिकी, शिवम बुक हाउस, जयपुर।
7. ओसवाल, अग्रवाल, मोदी और भार्गव: बिजनेस सांख्यिकी, रमेश बुक डिपो, जयपुर।
8. आर.एस.एन. पिल्लई और भगवती, एस. चंद एंड कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली।
9. जे.के. शर्मा, बिजनेस सांख्यिकी, विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा. लि., नई दिल्ली।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. सांख्यिकी और इसके अनुप्रयोगों की मूल बातों की जानकारी प्रदान करता है।
2. व्यवसाय निर्णय लेने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्रदान करता है।
3. सूचित निर्णय लेने के लिए डेटा संग्रह, प्रस्तुति, विश्लेषण और व्याख्या के लिए उपयुक्त विधि का चयन करता है।
4. विभिन्न प्रबंधकीय स्थितियों के दो चरों के बीच संबंधों का विश्लेषण करता है।
5. बुनियादी सांख्यिकीय मापदंडों की गणना करता है तथा प्रतिगमन, सहसंबंध और सूचकांक आदि की सहायता से पूर्वानुमान करता है।
6. व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए समस्याओं को करता है और विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों के साथ समाधानों की व्याख्या करता है।

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: लागत लेखांकन (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0202-ABS-63T-201-लागत लेखांकन
सेमेस्टर: III

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
III	UG0202-ABS-63T-201	लागत लेखांकन	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	
मिडटर्म -1 घंटा		मिडटर्म-30 अंक	मिडटर्म -12 अंक	
EoSE-3 घंटे		EoSE-120 अंक	EoSE-48 अंक	

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- छात्रों को लागत लेखांकन की मूल अवधारणाओं से परिचित कराना
- लागत लेखांकन तकनीकों में शामिल विभिन्न विधियों का ज्ञान प्रदान करना।
- लागत निर्धारण प्रणाली और लागत निर्धारण डेटा के उपयोग के बारे में बताता है।
- लागत लेखांकन के संबंध में योजना, नियंत्रण और निर्णय लेने की प्रणाली को जानना

इकाई -I

परिचय: लागत का परिचय, अर्थ और परिभाषा, लागत केंद्र, लागत निर्धारण, लागत लेखांकन और लेखाशास्त्र, लागत लेखांकन के उद्देश्य, महत्व और सीमाएँ। लागत लेखांकन की प्रणालियाँ, विधियाँ और तकनीकें। वित्तीय और लागत लेखांकन के बीच अंतर, सामग्री क्रय और भंडारण। सामग्री का मूल्यांकन और निर्गमन, सामग्री लागत नियंत्रण।

इकाई -II

श्रम: समय और मजदूरी की रिकॉर्डिंग, पारिश्रमिक के तरीके, प्रोत्साहन योजनाएँ। वेतन का आवंटन, श्रम टर्नओवर और निष्क्रिय समय और ओवरटाइम का उपचार। उपरिव्यय: उपरिव्यय का अर्थ, संग्रह, वर्गीकरण, आवंटन, प्रभाजन और अवशोषण।

इकाई लागत लेखांकन: लागत पत्रक, प्रति इकाई लागत विवरण, लागत का विवरण तैयार करके निविदा मूल्य की गणना।

इकाई -III

ठेका एवं कार्य लागत लेखांकन: लागत अनुबंध, वृद्धि खंड, अर्द्ध निर्मित, पूर्ण, अपूर्ण और पूर्ण होने के निकट ठेकों पर लाभ।

परिचालन लागत लेखांकन: अर्थ और उद्देश्य। यात्रा और माल के लिए परिवहन से संबंधित परिचालन लागत का विवरण तैयार करना।

इकाई -IV

सीमांत लागत लेखांकन: सीमांत लागत लेखांकन का अर्थ, अवधारणा, महत्व और सीमाएँ तथा सम-विच्छेद विश्लेषण। लागत मात्रा लाभ और समविच्छेद विश्लेषण, समविच्छेद चार्ट (सीमांत लागत निर्धारण के अंतर्गत स्टॉक मूल्यांकन और अवशोषण लागत निर्धारण तथा प्रबंधकीय निर्णयों से संबंधित समस्याओं को छोड़कर)।

प्रमाप लागत लेखांकन: प्रमाप लागत लेखांकन का अर्थ, अवधारणा, महत्व और सीमाएँ। केवल प्रमाप निर्धारित करना और सामग्री और श्रम विचरणों की गणना करना।

नोट: परीक्षार्थी को शोररहित बैटरी चालित पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी जिसमें 12 अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. सक्सेना और वशिष्ठ, लागत लेखांकन, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली
2. बी.के. मेहता, लागत लेखांकन, साहित्य भवन प्रकाशन
3. अग्रवाल और चतुर्वेदी, लागत लेखांकन (खंड I और II)
4. जैन खंडेलवाल पारीक, लागत लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी
5. अग्रवाल शाह मंगल, लागत लेखांकन, रमेश बुक डिपो, जयपुर
6. एम.एल. अग्रवाल, के.एल. गुप्ता, लागत लेखांकन, साहित्य भवन प्रकाशन
7. एस.पी. जैन, के.एल. नारंग, एल.सी. मित्तल, सिम्मी अग्रवाल, लागत लेखांकन, कल्याणी प्रकाशन

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. संबंधित उद्योग में इसके अनुप्रयोग के साथ लागत के विभिन्न तत्वों की समझ विकसित करता है।
2. छात्रों में विभिन्न लागत लेखांकन तकनीकों की सहायता से निर्णयन क्षमता का विकास होता है। छात्र ऐसी लेखांकन जानकारी से निर्णय लेकर अपने ज्ञान को लागू करना सीखने में मदद करता है।
3. छात्र लागत खातों के प्रकारों के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं और इस क्षेत्र में विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करते हैं।
4. वे सीमांत लागत निर्धारण और इसके आधार पर नियमित लागत रिपोर्ट तैयार करना सीखेंगे।
5. यह लागत लेखांकन के क्षेत्र में पेशेवर विकास के लिए उत्कृष्ट गुंजाइश प्रदान करता है

कार्यक्रम का नाम: तीन /चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: आयकर कानून और व्यवहार (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0202-ABS-64T-202-आयकर कानून और व्यवहार
सेमेस्टर: IV

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
IV	UG0202-ABS-64T-202	आयकर कानून और व्यवहार	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे		मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक	

विस्तृत पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- छात्र को आयकर के मूल सिद्धांतों का ज्ञान प्रदान करना तथा वर्तमान विनियमों के अनुसार अभ्यास करना।
- आय के विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत आयकर के प्रावधानों को लागू करना।
- आयकर के प्रावधानों जैसे छूट, हानि की पूर्ति करना तथा हानि को आगे ले जाना, कटौती तथा छूट से परिचित कराना।
- किसी व्यक्ति के लिए कर देयता के व्यावहारिक मूल्यांकन में सहायता करना

इकाई-I

आयकर का परिचय, अर्थ तथा परिभाषाएँ, आय के शीर्ष, आवासीय स्थिति का निर्धारण, वेतन से आय की गणना

इकाई-II

मकान संपत्ति, मूल्यहास तथा अन्य प्रावधानों से आय की गणना तथा व्यवसाय और पेशे से आय

इकाई-III

पूंजीगत लाभ तथा अन्य स्रोतों से आय की गणना

इकाई-IV

क्लबिंग, हानि की पूर्ति करना और हानि को आगे ले जाना तथा सकल कुल आय से कटौती, व्यष्टियों का कर निर्धारण, कर का अग्रिम भुगतान तथा स्रोत पर कर कटौती

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. सिंघानिया और सिंघानिया: आयकर के लिए छात्र गाइड, टैक्समैन. गुप्ता और गुप्ता: आयकर के लिए छात्र नोट्स, टैक्सबुक।
2. आहूजा और गुप्ता: प्रत्यक्ष कर, वाणिज्यिक कानून प्रकाशक
3. बांगर और बांगर: आयकर, आध्या पब्लिकेशन, इलाहाबाद।
4. अग्रवाल, जैन, शर्मा, शाह, मंगल रमेश बुक डिपो, जयपुर
5. मेहरोत्रा एच. सी., गोयल एस. पी., फंडामेंटल्स ऑफ इनकम टैक्स, साहित्य भवन प्रकाशन
6. मित्तल, बंसल, इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस, सुल्तान चंद एंड संस
7. बोहरा, इनकम टैक्स लॉ एंड प्रैक्टिस, जेएसआर पब्लिशिंग हाउस

पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम

1. विभिन्न प्रकार की आवासीय स्थिति और उनकी कर देयता को समझाता है।
2. आय के विभिन्न शीर्षों के बारे में उच्च स्तर की जानकारी प्रदान करता है।
3. व्यावसायिक व्ययों के साथ-साथ पूंजीगत परिसंपत्तियों और पूंजीगत व्यय के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है।
4. उपलब्ध कटौतियों और छूटों के साथ कुल आय की गणना करने की क्षमता प्रदान करता है।
5. छात्र को वर्तमान नियमों के अनुसार आयकर के मूल सिद्धांतों और अभ्यास का ज्ञान प्रदान करता है।
6. आयकर के प्रावधानों जैसे छूट, हानि की पूर्ति करना और हानि को आगे ले जाना, कटौती और छूट को आगे बढ़ाना आदि से परिचित कराता है।

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: अंकक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0202-ABS-75T-301- अंकक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण
सेमेस्टर: V

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
V	UG0202-ABS-75T-301	अंकक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	
मिडटर्म -1 घंटा		मिडटर्म-30 अंक	मिडटर्म -12 अंक	
EoSE-3 घंटे		EoSE-120 अंक	EoSE-48 अंक	

विस्तृत पाठ्यक्रम
अंकक्षण और वित्तीय रिपोर्टिंग विश्लेषण

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. अंकक्षण ढांचे और विनियमों के अनुसार लेखा परीक्षा और पेशेवर नैतिकता के मूल सिद्धांतों को समझना।
2. अंकक्षण जोखिमों का आकलन करना और तदनुसार जोखिम को कम करने की योजना बनाना।
3. आंतरिक नियंत्रण और आंतरिक अंकक्षण के बारे में ज्ञान प्राप्त करना
4. लेखा परीक्षा में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न लेखा परीक्षा साक्ष्यों को पहचानना।
5. विभिन्न संगठनों के लिए अंकक्षण रिपोर्ट तैयार करने में सक्षम होना
6. वित्तीय रिपोर्टिंग की विभिन्न तकनीकों को समझना।
7. अनुपात विश्लेषण के अनुप्रयोग को समझना।
8. यह समझना कि रोकड़ प्रवाह विवरण को उसकी गतिविधियों के साथ कैसे तैयार किया जाए।

इकाई-I

लेखा परीक्षा: अर्थ, उद्देश्य, धोखाधड़ी और त्रुटियाँ, बहीखाता और अंकक्षण के बीच संबंध, अंकक्षण प्रथाओं पर मानकों का प्राथमिक ज्ञान, अंकक्षण के प्रकार। आंतरिक नियंत्रण उपाय, अंकक्षण कार्यक्रम।

इकाई - II

संपत्तियों और देनदारियों की पुष्टि, सत्यापन और मूल्यांकन (व्यावहारिक सत्यापन सहित)। कंपनी ऑडिटर: नियुक्ति, अधिकार, कर्तव्य और जिम्मेदारी, निष्कासन और पारिश्रमिक। कंपनी अंकक्षक अंकक्षण और अंकक्षक (कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 139 से 148 का संक्षिप्त ज्ञान), अंकक्षण रिपोर्ट और प्रमाण पत्र।

इकाई-III

वित्तीय रिपोर्टिंग की मूल बातें, वित्तीय रिपोर्टिंग का उद्देश्य, वित्तीय रिपोर्ट के उपयोगकर्ता, वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए वैचारिक ढांचा, अनुपात विश्लेषण (चिट्ठे पर आधारित), पूंजी की लागत

इकाई-IV

मान

वित्तीय विवरण विश्लेषण: वित्तीय विश्लेषण का अर्थ, प्रकृति, महत्व और तकनीकें: तुलनात्मक विवरण, समानाकार विवरण और प्रवृत्ति विश्लेषण।

रोकड़ प्रवाह विवरण, उत्तोलक (परिचालन, वित्तीय और संयुक्त उत्तोलक)।

नोट: अभ्यर्थी को शोररहित बैटरी से चलने वाले पॉकेट कैलकुलेटर का उपयोग करने की अनुमति होगी, जिसमें 12 से अधिक अंक, 6 फ़ंक्शन और 2 मेमोरी नहीं होनी चाहिए

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. एच.एस. खंडेलवाल: ऑडिटिंग.शिवम प्रकाशन, जयपुर
2. टी.आर. शर्मा: ऑडिटिंग.साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा
3. मनमोहन और गोयल: प्रबंधन लेखांकन के सिद्धांत, साहित्य भवन प्रकाशन, आगरा
4. जैन और खंडेलवाल: ऑडिटिंग और प्रबंधन लेखांकन, अजमेरा बुक कंपनी, जयपुर
5. अरुण कुमार, रचना शर्मा, ऑडिटिंग सिद्धांत और अभ्यास, अटलांटिक प्रकाशक
6. माहेश्वरी एस.एन: प्रबंधन लेखांकन और वित्तीय नियंत्रण, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली
7. एम.आर. अग्रवाल: प्रबंधन लेखांकन, गरिमा प्रकाशन, जयपुर
8. सी.पी. जैन एवं एचएस खंडेलवाल, ऑडिटिंग एवं प्रबंधन लेखा, शिवम प्रकाशन, जयपुर
9. एस. एन. माहेश्वरी, प्रबंधन लेखा के सिद्धांत, सुल्तान चंद एंड संस, दिल्ली
10. एम. वाई. खान, पी. के. जैन, प्रबंधन लेखा, मैकग्रॉ हिल्स

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम

1. लेखा परीक्षा ढांचे और विनियमों के अनुसार लेखा परीक्षा और पेशेवर नैतिकता के मूल सिद्धांतों की समझ पैदा करता है।
2. छात्र प्रबंधन लेखांकन की मूल अवधारणा, महत्व और कार्यों के महत्व को समझ पायेंगे।
3. छात्र विभिन्न अनुपातों की गणना करेंगे और विभिन्न अनुपातों के महत्व और उपयोग पर चर्चा करने में सक्षम होंगे।
4. यह छात्रों को मौलिक लेखा परीक्षा अवधारणाओं और प्रक्रियाओं, और लेखा परीक्षा मानकों के अनुप्रयोग की अच्छी समझ प्रदान करता है
5. छात्र सभी प्रकार के उत्तोलक की गणना करने और पूंजी बाजार की अच्छी समझ रखने में सक्षम होंगे।

कार्यक्रम का नाम: चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक (ABST)
पाठ्यक्रम का शीर्षक: माल और सेवा कर (GST) (सिद्धांत)
पेपर कोड: UG0202-ABS-76T-302-माल और सेवा कर (GST)
सेमेस्टर: VI

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
VI	UG0202-ABS-76T-302	माल और सेवा कर (GST)	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि		अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक	
मिडटर्म -1 घंटा		मिडटर्म-30 अंक	मिडटर्म -12 अंक	
EoSE-3 घंटे		EoSE-120 अंक	EoSE-48 अंक	

विस्तृत पाठ्यक्रम
वस्तु एवं सेवा कर (जी एस टी)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. जीएसटी के बारे में अद्यतन, विस्तृत और व्यवस्थित ज्ञान प्रदान करना
2. विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ाकर निर्णय लेने में सक्षम बनाना।
3. जीएसटी के क्षेत्र में व्यवस्थित तरीके से विशेष और अद्यतन ज्ञान प्रदान करना;
4. छात्रों को जी एस टी से पहले की अवधि से लेकर जी एस टी के बाद की अवधि तक अप्रत्यक्ष कर और जीएसटी की अवधारणाओं को सीखने में सक्षम बनाना
5. भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अप्रत्यक्ष करों (जीएसटी) के महत्व और आर्थिक विकास में इसके योगदान को समझना
6. कर योग्य क्षमता वाले उपभोक्ताओं, डीलरों और बड़े पैमाने पर समाज पर जीएसटी के प्रभावों और इसके परिवर्तनों को समझना
7. उन्हें कर नियोजन, कर प्रबंधन, कर का भुगतान और कर रिटर्न दाखिल करने में कर सलाहकार बनाना।

इकाई -I

जीएसटी, आईजीएसटी अधिनियम, 2017 का परिचय। सीजीएसटी, आईजीएसटी, एसजीएसटी और यूटीजीएसटी सहित जीएसटी की परिभाषा, लाभ, संवैधानिक पहलू और कानूनी ढांचा।

इकाई-II

आपूर्ति की प्रकृति की पहचान- अंतर्राज्यीय और अंतर्राज्यीय आपूर्ति, समग्र और मिश्रित आपूर्ति, सतत आपूर्ति और शून्य दर आपूर्ति, कर योग्य और गैर-कर योग्य आपूर्ति, छूट, जीएसटी की समग्र योजना, जीएसटी की लागू दरें।

इकाई-III

इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित अवधारणा और इनपुट टैक्स क्रेडिट की गणना। जीएसटी के तहत पंजीकरण प्रक्रिया, रिटर्न भरना, पुस्तकों और अभिलेखों का रखरखाव।

इकाई-IV

जीएसटी की गणना, कर का भुगतान, वापसी शुल्क, कर वापसी।

जीएसटी व्यवस्था का प्रशासन, मूल्यांकन, मांग और वसूली, निरीक्षण, तलाशी, जब्ती, अपराधों और दंड के संबंध में प्रावधान।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

1. जीएसटी की मूल बातें, टैक्समैन, दिल्ली।
2. डॉ. हर्षवर्धन: वस्तु एवं सेवा कर, भारत प्रकाशन, दिल्ली
3. शाह और मंगल: वस्तु एवं सेवा कर, आरबीडी, जयपुर
4. वस्तु एवं सेवा कर: पी.सी. प्रकाशन, जयपुर।
5. बांगर और बांगर: जीएसटी के लिए शुरुआती गाइड, आध्या प्रकाशन, इलाहाबाद।

पाठ्यक्रम परिणाम (प्रतिफल)

1. जीएसटी से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों की समझ, जीएसटी की आपूर्ति और जीएसटी लगाने की जानकारी प्रदान करता है।
2. छात्र वस्तु एवं सेवा कर, सीजीएसटी, एसजीसीटी, आईजीएसटी, वस्तुओं के वर्गीकरण और मूल्यांकन नियमों की बुनियादी अवधारणाओं के ज्ञान से अवगत होंगे।
3. छात्र जीएसटी के तहत पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने और कर के भुगतान को शामिल करते हुए बुनियादी प्रक्रियाओं को सीखेंगे।
4. छात्र ई-वे बिल और ई-इनवॉइसिंग, रिटर्न और भुगतान, खाता पुस्तकों और अभिलेखों के रखरखाव से अवगत होंगे।